International Day of Forests

अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस

2021

TROPICAL FOREST RESEARCH INSTITUTE

Indian Council of Forestry Research & Education

(An autonomous council under Ministry of Environment, Forests and Climate Change, Government of India)

P.O.- R.F.R.C, Mandla road, Jabalpur – 482 021

On the eve of International Day of Forests on 21st March 2021, Tropical Fore4st Research Institute (TFRI), Jabalpur organized series of events like hands-on training for 12 women Self Help Groups (SHGs) of Jabalpur district (Madhya Pradesh) on making products from Lac and the mass plantation drive by TFRI officials and staff.

In the Inaugural session of the training programme, Dr.G.Rajeshwar Rao, ARS, Director, TFRI emphasized on the importance of value addition of Lac based products for income generation. He motivated the SHGs to come forward and create history by becoming 'Self Reliant'. Leaflet on 'Lac cultivation, processing and its management' was released by the dignitaries during the event. Dr. Nanita Berry, Training coordinator, elaborated on the activities of training and scientific revival of lac cultivation by the involvement of such women SHGs through such programmes. Further, she informed about commercial level skill enhancement of the group to make valuable products like bangles, wall hangings, plates and saree pins etc. Shri C.L.Pardhi, Lac merchant, briefed about the value added products and its market value. He shared his experience working with the groups of Chhattisgarh, Maharashtra and Rajasthan. He also motivated farmers to manufacture Lac based product within village areas in a cluster.

Furthermore, to mark the significance of International day of forests, seedlings of forestry trees like sal, rudraksh, toona, champa, mokha etc. were planted by the scientists, officers and staff at the botanical garden of the institute. Director, TFRI addressed the gathering and spoke about the importance of forests and plantations in maintaining and restoring the ecology and environment. He appreciated the cause and encouraged everyone to plant trees in and around their residents and surroundings for a sustainable future.

All the events were carried out by strictly following COVID guidelines and maintaining social distancing.

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान (टी.एफ.आर.आई.), जबलपुर में 21 मार्च 2021 की पूर्व संध्या पर अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान में ग्रामीण महिलाओं द्वारा संचालित स्वयं सहायता समूहों के लिए लाख से उत्पाद बनाने के प्रशिक्षण और संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा वृक्षारोपण अभियान जैसे कार्यक्रमों को आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में, डॉ. जी. राजेश्वर राव, ए.आर.एस., निदेशक, टी.एफ.आर.आई. ने आय सृजन के लिए लाख आधारित उत्पादों के मूल्य संवर्धन के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने स्वयं सहायता समूह (एस.एच.जी.) को आगे आने और इतिहास बनाने के लिए आत्म निर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। आयोजन के दौरान गणमान्य व्यक्तियों ने 'लाख की खेती, प्रसंस्करण और इसके प्रबंधन' पर पत्रक जारी किया। प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. ननिता बेरी ने प्रशिक्षण की गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया और इस तरह के कार्यक्रमों से महिला एस.एच.जी. को शामिल करके लाख की खेती का वैज्ञानिक पुनरुद्धार करने की बात कही। इसके अलावा, उन्होंने प्रशिक्षुओं द्वारा व्यावसायिक स्तर के मूल्यवान चूड़ी, प्लेट और साड़ी पिन आदि बनाना सीखे जाने के लिए कौशल वृद्धि के बारे में कहा। श्री सी. एल. पारधी, लाख व्यापारी ने उत्पादों के मूल्य वर्धन और इसके बाजार मूल्य के बारे में जानकारी दी। उन्होंने छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और राजस्थान के समूहों के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा किया एवं किसानों को एक क्लस्टर में ग्राम क्षेत्रों के भीतर लाख आधारित उत्पाद बनाने के लिए भी प्रेरित किया।

इसके अलावा, वनों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के महत्व को चिह्नित करने के लिए, संस्थान के वनस्पति उद्यान में वैज्ञानिकों, अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा वानिकी वृक्षों जैसे साल, रूद्राक्ष, तून, चम्पा, मोखा आदि का पौधारोपण किया गया। निदेशक, टी.एफ.आर.आई. ने सभा को संबोधित किया और पर्यावरण की पारिस्थितिकी को बनाए रखने और बहाल करने में वनों और वृक्षारोपण के महत्व के बारे में बात की। उन्होंने इस अभियान की सराहना की और सभी को स्थायी भविष्य के लिए पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित किया।

सभी कार्यक्रमों के दौरान सामाजिक दूरी एवं कोविड दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन किया गया।

Photo Gallery/ चित्र प्रदर्शनी

Release of the leaflet on lac by dignitaries during the training of women SHGs
प्रशिक्षण के दौरान गणमान्य व्यक्तियों द्वारा लाख पर पत्रक का विमोचन

Women SHG participants and scientists during of the training programme
प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान महिला प्रतिभागी और संस्थान के वैज्ञानिक

Training of women SHGs for making value added products from lac at TFRI
टी.एफ.आर.आई. में लाख से मूल्यवर्धित उत्पाद बनाने के लिए महिलाओं द्वारा संचालित स्वयं सहायता समूहों का प्रशिक्षण

Some of the lac artifacts made by the empowered women during the training
प्रशिक्षण के दौरान सशक्त महिलाओं द्वारा बनाई गई कुछ सुंदर लाख कलाकृतियाँ

Women learning of Bengal making during the training
प्रशिक्षण के दौरान लाख चूड़ियाँ बनाना सीख रही महिला

Lac bangles made by trained women during the training
प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षित महिलाओं द्वारा बनाई गई लाख की चूड़ियाँ

Scientist, officers and staff at Botanical garden, TFRI, Jabalpur during celebration of International forestry day, 2021

अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस, 2021 के दौरान वनस्पति उद्यान, टी.एफ.आर.आई, जबलपुर में वैज्ञानिक, अधिकारी और कर्मचारीगण

Director, TFRI planting rudrakh sapling during plantation at Botanical garden

वनस्पति उद्यान में वृक्षारोपण के दौरान रुद्राक्ष की पौध रोपण करते हुए निदेशक, टी.एफ.आर.आई.,

Plantation drive of forestry species during International day of forests at TFRI, Jabalpur
टी.एफ.आर.आई., जबलपुर में अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस के दौरान वानिकी प्रजातियों का वृक्षारोपण अभियान

Plantation of saplings by scientists and staff members at Botanical Garden, TFRI
वनस्पति उद्यान, टी.एफ.आर.आई. में संस्थान के वैज्ञानिकों और स्टाफ द्वारा पौधारोपण